



उत्तराखण्ड शासन

सचिव ग्राम्य विकास पंचायतीराज एवं सहकारिता  
उत्तराखण्ड शासन

संख्या: 988/2008-09 दिनांक 30 दिसम्बर 2008

988/XI/2008-09 आदेश

प्रत्येक जनपद से एक-एक महिला स्वयं सहायता समूह एवं दो-दो महिला स्वरोजगारियों को (कुशल काश्तकारी, कुशल श्रमिक/फलोद्योग एवं कुशल बुनकर) प्रोत्साहित किए जाने हेतु पाँच-पाँच हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये जाने हेतु चयन समिति निम्नानुसार गठित की जाती है:-

1. मुख्य विकास अधिकारी अध्यक्ष
2. प्रत्येक जनपद के दो विकास खण्डों (हिन्दी वर्णमाला के आरोही क्रम में) के ब्लॉक प्रमुख, जिनका कार्यकाल एक वर्ष होगा। सदस्य
3. मुख्य कृषि अधिकारी सदस्य
4. महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र सदस्य
5. परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण। सदस्य सचिव

स्वयं सहायता समूह के पुरस्कार हेतु चयन के मानक निम्नानुसार हैं:-

क्र०सं०	विवरण		पूर्णांक	प्राप्तांक
1	नियमित बैठक (वार्षिक)			
	1	1 से 3 बैठक	2.5	
	2	4 से 6 बैठक	5	
	3	7 से 9 बैठक	7.5	
	4	9 से 12 बैठक	10	
2	उत्पादित उत्पादों की विक्रय की मात्रा		10	
3	प्रति सदस्य आय सृजन (वार्षिक)			
	1	15,000 रु० तक	2	
	2	15,001 रु० से 25,000 रु० तक	4	
	3	25,001 रु० से 35,000 रु० तक	6	
	4	35,001 से 50,000 रु० तक	8	
	5	50,000 से अधिक	10	
4	पुरस्कार			
	1	जनपद स्तरीय	3	
	2	राज्य स्तरीय	5	
	3	राष्ट्र स्तरीय	10	
5	प्रत्येक वर्ष बचत की धनराशि की मात्रा			
	1	3,000 रु० तक	5	
	2	3,001 रु० से ऊपर	10	

व्यक्तिगत महिला स्वरोजगारी के पुरस्कार हेतु चयन मानक निम्नानुसार है:-

क्र०सं०	विवरण			पूर्णांक	प्राप्तांक
1	उत्पादित उत्पादन से आय सृजन (वार्षिक)				
	I	15,000 रु० तक	5	25	
	II	15,001 रु० से 25,000 रु० तक	10		
	III	25,001 रु० से 35,000 रु० तक	15		
	IV	35,001 से 50,000 रु० तक	20		
	V	50,000 से अधिक	25		
2	पुरस्कार				
	I	जनपद स्तरीय	5	15	
	II	राज्य स्तरीय	10		
	III	राष्ट्र स्तरीय	15		
3	बैंक ऋण				
	(अ)	लिये गये ऋण की धनराशि (रु० में)		10	
	I	रु० 5,000.00 से रु० 30,000.00 तक	2		
	II	रु० 30,000.00 से अधिक	3		
	(ब)	ऋण अदायगी			
	I	नियमित	5		
	II	अनियमित	0		

पुरस्कार हेतु धनराशि की व्यवस्था स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना अथवा उत्तराखण्ड ग्रामीण स्वरोजगार मिशन के अन्तर्गत प्रशासनिक मद से की जायेगी। एक से अधिक स्वयं सहायता समूह एवं व्यक्तिगत स्वरोजगारियों के समान अंक प्राप्त करने पर स्वरोजगारियों के मध्य धनराशि का वितरण बराबर-बराबर मात्रा में किया जायेगा। प्रत्येक वर्ष उक्त पुरस्कारों का वितरण गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर जनपद के मा० प्रभारी मंत्री जी के कर कमलों द्वारा कराना सुनिश्चित किया जाये। उनकी अनुपस्थिति में मा० अध्यक्ष, जिला पंचायत पुरस्कार वितरित करेंगे।

यह आदेश वित्तीय वर्ष 2009-10 से प्रभावी होंगे। वित्तीय वर्ष 2008-09 में जनपदों द्वारा पूर्व में चयनित स्वरोजगारियों की सूची के अनुसार ही पुरस्कार वितरण किए जायेंगे।

(ओम प्रकाश)  
सचिव।

पत्रांक: १००/५/कार्यालय झाप 2008-09 / तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन।
2. सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. आयुक्त, ग्राम्य विकास निदेशालय, पौड़ी।
4. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड।
6. एन०आई०सी०, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

*Om Prakash*  
(ओम प्रकाश)  
सचिव।